विद्या -भवन ,बालिका विद्यापीठ, लखीसराय

नीतू कुमारी, वर्ग- चतुर्थ ,विषय- हिंदी, दिनांक-26-05-2021

एन.सी.ई.आर.टी पर आधारित पाठ-4 हमारा कश्मीर

सुप्रभात बच्चों,

पिछली कक्षा में आपने कश्मीर कहानी अध्ययन किये आज की कक्षा में शेष भाग का अध्ययन करना है जो प्रकार है-

भाग तक सड़क मार्ग से भी जाया जा सकता है और डल झील में चलने वाले सितारों से भी आओ इस बाग की सैर करें।

यह सीढीनुमा भाग है। आओ, इसकी पहली सीढी पर लगे बाग को देखें। यहां कितने सुंदर -सुंदर पेड़ लगे हैं। क्यारियों में कैसे रंग बिरंगे फूल खिले हैं। आड़ू बदाम, खुबानी और चेरी के पेड़ों को तो देखा, कितने सुंदर लग रहे हैं। पेड़ों पर सेब लगे हुए हैं, पत्तों का तो जैसे कहीं नाम ही नहीं। प्रत्येक सीढ़ी

पर हरी -हरी घास का गलीचा बिछा हुआ है। देखो, इस बार के बीचो -बीच क्या है? अरे! यह तो एक नहर है जो एक-एक सीढ़ी पर से उतरती हुई डल झील में जा गिरती है। चौथी सीढ़ी पर बने इस तालाब को तो देखो।

तालाब में इन फव्वारे को देखो। जिस समय सारे फव्वारे छूटते हैं तो कितना सुंदर लगता है। कहते हैं कि यहां चिनार के वृक्षों को जहांगीर ने स्वयं लगाया था। यहां रंग बिरंगे फूल की क्यारियां हैं।

आओ,अब निशात बाग की और चलें। क्या तुम 'निशात' शब्द का अर्थ जानते हो?

'निशात'शब्द का अर्थ है प्रसन्नता। सचमुच या बाग मन को प्रसंता से भर देता है। इसमें कोई संदेह नहीं कि निशात बाग भारत के सुंदर बागो में से एक है। इसे शाहजहां की बेगम मुमताज महल के पिता आसिफ़ खां ने लगवाया था। उन्हें यह बाग प्राणों से भी प्यारा था।

बच्चों, आज के लिए इतना ही शेष अगली कक्षा में।

गृहकार्य-

दी, गई अध्ययन सामग्री पढ़ें तथा समझने का प्रयास करें। और कठिन शब्द लिखें।